नईदुनिया

टीसीएस की कमाई उम्मीद से बेहतर, एआई और डील्स ने भरा जोश, ब्रोकरेज हुए खुश

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए उम्मीद से बेहतर नतीजे पेश किए हैं। मजबूत डील बुकिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि और स्थिर राजस्व प्रदर्शन ने बाजार का ध्यान खींचा है, जबकि वेतन वृद्धि और रणनीतिक निवेश के चलते मार्जिन पर अस्थायी दबाव देखा गया। विश्लेषकों ने कंपनी के भविष्य को लेकर आशावादी रुख बनाए रखा है, जिससे शुक्रवार सुबह कारोबार में टीसीएस के शेयर में 2 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। टीसीएस ने जून तिमाही में 7.62 अरब डालर का डालर राजस्व दर्ज किया, जो स्थिर मुद्रा में पिछली तिमाही से 0.4 फीसदी और सालाना

पहली तिमाही में 9.5 अरब डालर की नई डील्स, एआई का सालाना राजस्व रन रेट 2.6 अरब डालर के पार

आधार पर 3.2 फीसदी अधिक है, जो बाजार अनुमानों से थोड़ा बेहतर है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा लगभग 13,400 करोड़ रुपये रहा, जो बाजार की उम्मीदों के अनुरूप था। इस तिमाही की सबसे बड़ी उपलब्धि 9.5 अरब डालर की नई डील्स रहीं, जो आगामी तिमाहियों के लिए मजबूत आर्डर बुक का संकेत देती हैं। एआई कारोबार भी तेजी से गति पकड़ रहा है, जिसका वार्षिक राजस्व रन रेट 2.6 अरब डालर पर पहुंच गया है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 13.6 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने इस अवधि में 9,279 नए कर्मचारियों की भर्ती की और शेयरधारकों के लिए 12 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा भी की। हालांकि, कर्मचारियों की वेतन वृद्धि और एआई, सेल्स तथा नई साझेदारियों में निरंतर निवेश के कारण कंपनी का एबिट मार्जिन पिछली तिमाही के मुकाबले 1.3 प्रतिशत अंक घटकर 24 फीसदी रह गया, जिससे मार्जिन पर दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बावजूद इसके, प्रमुख ब्रोकरेज हाउसों ने टीसीएस पर अपना भरोसा बरकरार रखा है। एक रेटिंग एजेंसी ने बाय रेटिंग के साथ 12 महीनों के लिए 3,000 रुपये का लक्ष्य दिया है, उसका मानना है कि कंपनी के लिए अब आगे का रास्ता बेहतर दिख रहा है और हालिया गिरावट के बाद मौजूदा भाव पर शेयर आकर्षक है। भविष्य की बात करें तो, मजबूत डील पाइपलाइन और एआई कारोबार में सतत विस्तार टीसीएस के लिए सकारात्मक संकेत हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, टैरिफ संबंधी अनिश्चितता और कंपनियों के आईटी खर्च में संभावित कमी जैसी वैश्विक चुनौतियां बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त एआई द्वारा संचालित उत्पादकता वृद्धि भविष्य में ग्राहकों द्वारा कम मूल्य निर्धारण की मांग को जन्म दे सकती है, जिससे मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है। इन चुनौतियों के बावजूद, कंपनी का रणनीतिक निवेश और भविष्य के लिए मजबूत आर्डर बुक, विश्लेषकों को दीर्घकालिक वृद्धि के लिए आश्वस्त कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कच्चे तेल में उतार चढ़ाव, 72 डालर के पास टिकी कीमतें, होर्मुज जलडमरूमध्य पर टिकी निगाहें, कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद कच्चे तेल की कीमतें शुक्रवार को स्थिर बनी रहीं। डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डालर प्रति बैरल, जबकि ब्रेंट क्रूड 76 डालर के करीब रहा। पिछले सत्र की गिरावट के बाद बाजार शांति वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। शुक्रवार को कीमतें स्थिर रहने के बावजूद पूरे सप्ताह अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 4 फीसदी से अधिक की बढ़त की ओर बढ़ रहा है। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में बढ़ा सैन्य तनाव रहा, जब अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर हमले किए और ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। इन घटनाओं ने वैश्विक तेल आपूर्ति पर चिंता बढ़ा दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जहां एक तरफ अंतरिम शांति समझौते को खत्म बताया, वहीं बातचीत जारी रहने की पुष्टि भी की। बाजार इन्हीं मिश्रित संकेतों पर प्रतिक्रिया दे रहा है। हालांकि, सबसे बड़ी चिंता अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य है, जहां से दुनिया का बड़ा समुद्री तेल व्यापार गुजरता है। तनाव के कारण यहां टैंकरों की आवाजाही धीमी बनी हुई है। यदि यह स्थिति लंबी खिंचती है, तो भविष्य में वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे कीमतों में फिर उछाल आ सकता है।

2000 के नोट अभी भी वैध, बदलने के हैं आसान तरीके

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2000 रुपये के नोटों को लेकर आम जनता के बीच बनी किसी भी आशंका को दूर करते हुए स्पष्ट किया है कि ये गुलाबी नोट आज भी लीगल टेंडर (कानूनी रूप से वैध) हैं। आरबीआई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर यह ताजा जानकारी साझा की है, जिससे उन लोगों को राहत मिलेगी जिनके पास अभी भी ये नोट मौजूद हैं। आरबीआई ने 19 मई 2023 को इन नोटों को चलन से बाहर करने का फैसला किया था। तब बाजार में 3.56 लाख करोड़ रुपये मूल्य के नोट थे। अप्रैल 2026 के अंत तक आए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अब सिर्फ 5,451 करोड़ रुपये के नोट ही बचे हैं, जिसका अर्थ है कि देश के 98.47 फीसदी नोट सफलतापूर्वक बैंकिंग सिस्टम में वापस आ चुके हैं। यह दर्शाता है कि अब बेहद कम नोट ही लोगों के पास हैं। यदि आपके पास अभी भी 2000 के नोट हैं, तो आप इन्हें आसानी से बदल या जमा कर सकते हैं। इसके लिए तीन मुख्य तरीके हैं: आरबीआई कार्यालयों में: देश भर में मौजूद आरबीआई के 19 इश्यू आफिसों में जाकर नोटों के बदले दूसरे वैध नोट (जैसे 500, 200) तुरंत प्राप्त करें। सीधे खाते में जमा: इन्हीं आरबीआई कार्यालयों में एक फार्म भरकर नोटों की राशि सीधे अपने बैंक खाते (बचत या चालू) में ट्रांसफर करवाएं। इंडिया पोस्ट के जरिए: यदि आप आरबीआई कार्यालय से दूर हैं, तो अपने नजदीकी डाकघर से इंडिया पोस्ट के माध्यम से बीमाकृत डाक के जरिए नोटों को किसी भी आरबीआई इश्यू आफिस भेजें। राशि सीधे आपके बैंक खाते में जमा हो जाएगी।

भारत ने चीनी सीमलेस ट्यूब पर डंपिंग रोधी शुल्क 2027 तक बढ़ाया, घरेलू विनिर्माताओं के संरक्षण को प्राथमिकता

नई दिल्ली। घरेलू विनिर्माताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, भारत ने चीन से आयातित कुछ सीमलेस

ट्यूब और पाइप पर लगाए गए डंपिंग रोधी शुल्क को 27 जनवरी, 2027 तक बढ़ा दिया है। वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के माध्यम से इसकी जानकारी दी है। यह शुल्क, जो लोहे, मिश्रधातु या गैर-मिश्रधातु इस्पात के सीमलेस ट्यूब, पाइप और खोखले प्रोफाइल पर पहली बार 28 अक्टूबर, 2021 को लगाया गया था, वर्तमान में 961.33 डालर से 1,610.67 डालर प्रति टन के बीच है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने इसे प्रभावी बनाए रखने की पुष्टि की है। इसके अतिरिक्त, सीबीआईसी ने मलेशिया, दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका से निर्यात किए जाने वाले नार्मल ब्यूटानाल (जो रसायन, पेंट और चिपकने वाले पदार्थों में उपयोग होता है) के आयात पर भी पांच वर्ष के लिए डंपिंग रोधी शुल्क जारी रखने की घोषणा की है।

भारत ने ब्रिटेन से वाहन आयात पर एफटीए के तहत शुल्क कोटा लाभ लेने की प्रक्रिया को अधिसूचित किया

पहले वर्ष में इन तीनों श्रेणियों में कुल 20 हजार यात्री कारों के आयात की होगी अनुमति

नई दिल्ली

भारत ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत रियायती सीमा शुल्क पर वाहनों के आयात का रास्ता साफ करते हुए कोटा आधारित शुल्क रियायत का लाभ लेने के लिए आयातकों की मंजूरी प्रक्रिया अधिसूचित कर दी है। यह व्यवस्था 15 जुलाई, 2026 से लागू होगी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 9 जुलाई को जारी सार्वजनिक सूचना में कहा, भारत-ब्रिटेन (सीईटीए) के तहत कोटा आधारित शुल्क दर (टीआरक्यू) के आवंटन की प्रक्रिया अधिसूचित की जाती है। इस अधिसूचना के मुताबिक आयातित खेप की सीमा शुल्क निकासी के समय भारत में आयातक को ब्रिटेन के संबंधित प्राधिकरण द्वारा जारी मूल प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट आफ ओरिजिन) प्रस्तुत करना होगा। डीजीएफटी की अधिसूचना के मुताबिक व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के तहत भारत दोनों पक्षों के लिए निर्धारित कोटा के साथ मोटर वाहन आयात पर शुल्क को लगभग 110 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करेगा। भारत इस व्यापार समझौते के लागू होने के पहले 15 वर्ष के दौरान ब्रिटेन से पारंपरिक इंजन वाले यात्री वाहनों की 3.78 लाख इकाइयों के आयात की रियायती सीमा शुल्क पर अनुमति देगा। अधिसूचना के मुताबिक डीजीएफटी ने कहा, केवल ब्रिटेन में विनिर्मित वाहनों के मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) अथवा उनके विधिवत अधिकृत डीलर/चैनल पार्टनर ही टीआरक्यू के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। व्यापार महानिदेशालय ने यह भी कहा कि पात्रता के लिए प्रत्येक आवेदक को ब्रिटेन स्थित वाहन विनिर्माता (ओईएम) द्वारा जारी पूर्व-क्रय समझौता प्रस्तुत करना होगा। इसमें टीआरक्यू वर्ष के दौरान आपूर्ति की जाने वाली वाहनों की संख्या का उल्लेख होगा। डीजीएफटी ने कहा, इन आयातों के लिए वर्ष का अर्थ भारत में एक जनवरी से 31 दिसंबर तक की कैलेंडर अवधि होगा। डीजीएफटी जारी किए गए टीआरक्यू प्रमाणपत्रों की संचयी संख्या पर निगरानी रखेगा। निर्धारित टीआरक्यू सीमा पूरी होने के बाद कोई टीआरक्यू प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा। ये प्रमाणपत्र अधिकतम 12 महीने या कैलेंडर वर्ष की समाप्ति तक, जो भी पहले हो, वैध रहेंगे। डीजीएफटी ने कहा, टीआरक्यू के तहत आयात करने वाले आयातक रियायती सीमा शुल्क का लाभ अंतिम खरीदार या उपभोक्ता तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। ब्रिटेन से भारत में आयात के लिए पारंपरिक इंजन वाले यात्री वाहनों का कोटा पांचवें वर्ष में विभिन्न श्रेणियों में बढ़कर 37,000 इकाई हो जाएगा। इसके साथ ही सीमा शुल्क क्रमिक रूप से घटकर अंतिम रूप से 10 फीसदी रह जाएगा। इसके बाद शुल्क में और कोई कटौती नहीं होगी। अधिसूचना के मुताबिक पहले वर्ष में 3,000 सीसी से अधिक (पेट्रोल) और 2,500 सीसी से अधिक (डीजल) इंजन क्षमता वाली कारों का कोटा 10,000 इकाई होगा। इन पर सीमा शुल्क 110 फीसदी से घटाकर 30 फीसदी किया जाएगा। 1,500 सीसी (पेट्रोल), 2,500 सीसी (डीजल) और 3,000 सीसी (पेट्रोल) इंजन क्षमता वाली कारों के लिए कोटा 5,000 इकाई होगा और इन पर शुल्क 66 फीसदी से घटाकर 50 फीसदी किया जाएगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय के जारी दस्तावेज के अनुसार, 1,500 सीसी तक की इंजन क्षमता वाले जन बाजार (मास मार्केट) श्रेणी की कारों के लिए समझौते के पहले वर्ष में 5 हजार इकाइयों के आयात की अनुमति होगी और इन पर सीमा शुल्क 66 फीसदी से घटाकर 50 फीसदी किया जाएगा।

पहले वर्ष में तीनों श्रेणियों में कुल 20 हजार यात्री कारों का आयात - समझौते के पहले वर्ष में इन तीनों श्रेणियों में कुल 20 हजार यात्री कारों के आयात की अनुमति होगी। भारत ने 40,000 ब्रिटिश पाउंड (सीआईएफ) से कम कीमत वाले वाहनों के लिए अपना बाजार नहीं खोला है। इससे बड़े पैमाने के बाजार वाले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड को पूर्ण संरक्षण मिलेगा, जिसमें भारत टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी घरेलू कंपनियों के माध्यम से वैश्विक नेतृत्व हासिल करना चाहता है। भारत ने इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन चालित यात्री कारों के लिए पहले पांच वर्षों में कोई रियायत नहीं दी है। हालांकि, छठे वर्ष से 40,000 ब्रिटिश पाउंड (सीआईएफ) से 80,000 ब्रिटिश पाउंड (सीआईएफ) (दोनों सहित) कीमत वाले ऐसे वाहनों पर सीमा शुल्क 50 फीसदी कर दिया जाएगा और इनके लिए 400 इकाइयों का कोटा होगा।

निवेशकों की दुविधा: स्टाक एसआईपी या म्यूचुअल फंड एसआईपी, कौन है बेहतर

नई दिल्ली

लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का एक सबसे लोकप्रिय और प्रभावी तरीका बन चुके सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को लेकर निवेशकों के मन में अक्सर यह सवाल उठता है: बेहतर रिटर्न के लिए सीधे शेयरों में एसआईपी (स्टाक एसआईपी) करना उचित है या म्युचुअल फंड एसआईपी का चुनाव करना चाहिए वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर सही विकल्प का चुनाव करने के लिए दोनों के बीच के महत्वपूर्ण अंतरों को समझना बेहद जरूरी है। स्टाक स्टाक एसआईपी में निवेशक हर महीने एक निर्धारित राशि से सीधे किसी कंपनी के शेयर खरीदता है। इसमें शेयर का चुनाव पूरी तरह निवेशक पर निर्भर करता है, जिससे इसमें उच्च रिटर्न की संभावना तो होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है और निवेशक को कंपनियों व बाजार पर लगातार नजर रखनी पड़ती है। इसके विपरीत, म्युचुअल फंड एसआईपी में निवेशक हर महीने एक तय रकम म्युचुअल फंड स्कीम में निवेश करता है। यहां निवेश से जुड़े सभी फैसले पेशेवर फंड मैनेजर करते हैं, जो विभिन्न शेयरों और अन्य एसेट्स में पैसा लगाते हैं। इससे

सही विकल्प का चुनाव करने के लिए दोनों के बीच के महत्वपूर्ण अंतरों को समझना बेहद जरूरी

निवेश में विविधता आती है और निवेशक को शेयर चुनने या पोर्टफोलियो संभालने की चिंता नहीं करनी पड़ती। वैल्यूमैट्रिक्स टेक्नोलाजीज के एक को-फाउंडर के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों की सही पहचान और उन्हें लंबे समय तक बनाए रखने पर स्टाक एसआईपी निश्चित रूप से म्युचुअल फंड एसआईपी से बेहतर रिटर्न दे सकता है। हालांकि, उनका मानना है कि ऐसी कंपनियों की पहचान करना बेहद मुश्किल होता है और गलत शेयरों के चुनाव की संभावना सफल होने से कहीं ज्यादा होती है। जैन के मुताबिक, सीधे शेयरों में निवेश के लिए कंपनी के कारोबार, उसके मूल्यांकन और बाजार की बदलती परिस्थितियों पर लगातार नजर रखना अनिवार्य है। इसके विपरीत ज्यादातर निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड एसआईपी :एक बेहतर विकल्प साबित होता है।

मोटापा घटाने वाली जीएलपी-1 दवाओं की बिक्री में पहली मासिक गिरावट

नई दिल्ली। भारत में मोटापा कम करने वाली जीएलपी-1 दवाओं की बिक्री में जून महीने में पहली बार मासिक गिरावट दर्ज की गई है। नोवो नार्डिस्क की सेमाग्लूटाइड दवा का पेटेंट खत्म होने और सस्ते जेनेरिक विकल्पों के बाजार में आने के बाद हुई शुरुआती तेजी अब धीमी पड़ती दिख रही है। हेल्थकेयर रिसर्च फर्म फार्मरैक के अनुसार मई के रिकार्ड 236 करोड़ रुपए से घटकर जून में इन दवाओं की बिक्री 227 करोड़ रुपए रह गई। सेमाग्लूटाइड का पेटेंट समाप्त होने के बाद मार्च के 180 करोड़ रुपए के बाजार ने अप्रैल में 218 करोड़ रुपए और मई में 236 करोड़ रुपए का उछाल देखा था। जून में सर्वाधिक बिकने वाली माउंजारो (टिर्जेपेटाइड) की बिक्री भी 136 करोड़ रुपए से घटकर 130 करोड़ रुपए हो गई, जबकि सेमाग्लूटाइड आधारित दवाओं की बिक्री 93 करोड़ रुपए से घटकर 91 करोड़ रुपए दर्ज की गई। हालांकि, सालाना आधार पर इस बाजार में जबरदस्त वृद्धि बनी हुई है।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बड़ी गिरावट

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव 720 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 780 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गए हैं। चांदी की बात करें, तो इस चमकीली धातु की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है।

सोने के भाव में आए उछाल के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,450 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,320 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,32,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,210 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,34,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,44,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,44,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,44,500 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,45,320 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,33,210 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,44,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत

1,44,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,44,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,32,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,44,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,32,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,44,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,32,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,44,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,32,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से पाजिटिव संकेत, एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं एशिया में तेजी का रुख बना हुआ है।

चिप स्टाक्स मे आए उछाल की वजह से अमेरिकी बाजार में कल तेजी का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.27 प्रतिशत की मजबूती के साथ 52,487.41 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.81 प्रतिशत बढ़ कर 7,543.64 अंक के स्तर पर

पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 336.24 अंक यानी 1.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 26,206.89 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 52,440.92 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद आखिरी दौर में हुई बिकवाली की वजह से मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 10,472.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स ने 0.89 प्रतिशत उछल कर 8,326.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 220.82 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की छलांग लगा कर 25,118.27 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशिया में चौतरफा लिवाली का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से आठ के सूचकांक हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि ताइवान स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से ताइवान वेटेड इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी 206.50 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,201 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ 4,067.07 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स में जोरदार तेजी नजर आ रही है। फिलहाल यह सूचकांक 385.97 अंक यानी 5.29 प्रतिशत की उछाल के साथ 7,677.88 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह निक्केई इंडेक्स ने भी जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल यह सूचकांक 1,266.15 अंक यानी 1.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 69,010 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा हैंग सेंग इंडेक्स 434.82 अंक यानी 1.81 प्रतिशत उछल कर 24,465 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,615.71 अंक के स्तर पर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 5,456.02 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,930.50 के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।